दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 229 ■ दमण, सोमवार 01, जून 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघप्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल ने नमो अस्पताल एवं नमो एयरपोर्ट परियोजना के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

दमण। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने दमण में निर्माणाधीन नमो अस्पताल एवं नमो एयरपोर्ट परियोजनाओं का दौरा कर प्रगति पर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासक ने दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति तथा समयबद्ध क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं एवं कार्यदायी एजेंसियों के प्रतिनिधियों से परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न कार्यों का स्थल पर जाकर अवलोकन किया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि नमो अस्पताल एवं नमो एयरपोर्ट परियोजनाएँ दमण के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी तथा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं, हवाई संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी। प्रशासक ने परियोजनाओं से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं आधारभूत ढाँचागत कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

परियारी ग्राम पंचायत में आयोजित हुई जनसभा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दमण दौरे को लेकर ग्रामीणों को किया गया आमंत्रित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित दमण यात्रा के उपलक्ष्य में दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज दमण जिले की परियारी ग्राम पंचायत में एक जनसभा का आयोजन किया गया। यह जनसभा प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की उपस्थिति में संपन्न हुई। जनसभा के माध्यम से स्थानीय ग्रामवासियों को प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने हेतु आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित एक डिजिटल डॉक्यूमेंट्री का सामूहिक अवलोकन भी किया गया, जिसे उपस्थित ग्रामीणों ने अत्यंत रुचि के साथ देखा। परियारी ग्राम पंचायत सरपंच भाविक हलपति की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसभा में दमण जिला पंचायत के अध्यक्ष धरम पटेल, दमण जिला पंचायत के सदस्य मुकेश गोसावी, दमण जिला भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष मिलन पटेल सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पीएम मोदी की दमण प्रस्तावित यात्रा के उपलक्ष्य में प्रदेश भाजपा ने विशाल रक्तदान शिविर का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित दमण शहर की यात्रा के उपलक्ष्य में एवं प्रदेश के सभी नागरिकों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री जी का स्वागत करते हुए भारतीय जनता पार्टी दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव द्वारा आज कोली पटेल समाज हॉल-दमण में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में प्रदेश के विभिन्न समाज के लोगों ने और भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक रक्तदान किया गया।इस कार्यक्रम के संयोजक अस्पी दमणिया के अथक प्रयासों से और नमो मेडिकल हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. दर्शन माह्यावंशी के सहयोग से इस रक्तदान शिविर में 150 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। आज के कार्यक्रम में प्रदेश के कई नेताओं एवं चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा रक्तदान किया गया। इस अवसर उपस्थित अन्य महानुभावों में भाजपा के प्रदेश महामंत्री जिग्नेश पटेल, सुनील पाटिल, दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल, दमण जिला भाजपा के अध्यक्ष भरत पटेल, दमण नगरपालिका की अध्यक्षा दीपिका टंडेल, दमण जिला पंचायत के अध्यक्ष धरम पटेल, दानह जिला पंचायत की अध्यक्षा निशा भावर, सिलवासा नगरपालिका के अध्यक्ष सोमनाथ पाटिल सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

RCB ने जीता अपना दूसरा IPL टाइटल, फाइनल में GT को 5 विकेट से रौंदा, विराट रहे सेनानायक

आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। उसने गुजरात टाइटंस को बुरी तरह से हराते हुए लगातार दूसरे सीजन यह खिताब अपने नाम किया। शुभमन गिल की टीम इतनी आसानी से घुटने टेक देगी किसी को शायद ही भरोसा हो रहा होगा। 90,014 फैंस से भरे स्टेडियम में आरसीबी के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने अपने जबरदस्त प्रदर्शन ने मैच को एकतरफा कर दिया। आरसीबी ने विराट कोहली की धांसू हाफ सेंचुरी के दम पर आसानी से 5 विकेट से मैच और ट्रॉफी जीत लिया। जिस टूर्नामेंट 250 रन भी सुरक्षित नहीं माना जा रहा था उसके खिताबी मुकाबले में 156 रनों का लक्ष्य कहां से टिकता। आरसीबी के धाकड़ बल्लेबाज और क्रिकेट किंग विराट कोहली ने अपनी रन चेज वाली भूमिका को गजब अंदाज में अंजाम दिया। उन्होंने वेंकटेश अय्यर के साथ मिलकर शुरुआती 4 ओवरों में आरसीबी की झोली में डाल दिया। विराट ने 42 गेंदों में 9 चौके और 3 छक्के के दम पर नाबाद 75 रन की पारी खेली, जबकि विनिंग छक्का भी जड़ा।

लगातार दो सीजन आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली टीमें : **चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में लगातार खिताब जीते। कप्तान थे एमएस धोनी थे। मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में लगातार आईपीएल चैंपियन बनी। कप्तान थे रोहित शर्मा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2025 का खिताब जीता था, जबकि 2026 फाइनल में गुजरात टाइटंस को हराया।**

आरसीबी की पारी का हाईलाइट्सः विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर ने दी आरसीबी को गजब शुरुआत

इससे पहले 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने गजब शुरुआत की। मोहम्मद सिराज के पहले ओवर में सिर्फ 5 रन बने, जबकि अगले ही ओवर में वेंकटेश अय्यर ने 3 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए कागिसो रबाडा को 18 रन कूट डाले। इसके बाद चौथे ओवर में उन्हें विराट कोहली ने 3 चौके और एक छक्का लगाते हुए 19 रन ठोके। इसके साथ ही टीम की हाफ सेंचुरी पूरी हो गई। हालांकि, अगले ही ओवर में आक्रामक दिख रहे वेंकटेश अय्यर मोहम्द सिराज की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 16 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के ठोकते हुए 32 रन बनाए।

कागिसो रबाडा ने पर्पल कैप पर किया कब्जा, विराट कोहली की फास्टेस्ट फिफ्टी

इसके बाद कागिसो रबाडा ने देवदत्त पडिक्कल को 1 रन के स्कोर पर आउट करते हुए पर्पल कैप पर कब्जा किया, जबकि भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ दिया। टीम शतक की ओर तेजी से बढ़ रही थी कि राशिद खान ने कप्तान रजत पाटीदार को 15 रनों के निजी स्कोर पर आउट करते हुए बड़ा झटका दिया, लेकिन आरसीबी को यहां से लगभग रनोबॉल ही चाहिए था। टीम ने 10वें ओवर में टिम डेविड के चौके से शतक पूरा किया तो जीत अब दिखने लगी। विराट कोहली ने सिर्फ 25 गेंदों में हाफ सेंचुरी की, यह उनके आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी भी है। इसके बाद क्रुणाल पंड्या का एक रन पर विकेट जरूर गिरा, लेकिन इसका असर नहीं पड़ा। विराट कोहली ने खिताबी जीत दिलाकर ही दम लिया।

गुजरात टाइटंस की पारी का हाईलाइट्सः जीटी ने बनाए 155 रन

इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए गुजरात टाइटंस को आठ विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की लाल और काली मिट्टी के मिश्रण वाली पिच पर शुरुआत में शॉट खेलना बिलकुल भी आसान नहीं था जो गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी में साफ झलक रही थी जिससे आरसीबी के लिए रसिख सलाम ने तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने दो दो विकेट चटकाए। क्रुणाल पंड्या ने 23 रन देकर एक विकेट झटका। गुजरात टाइटंस के लिए एकमात्र वॉशिंगटन सुंदर ही इस मुश्किल का सामना करते हुए 37 गेंद में पांच चौके से नाबाद 50 रन बना पाए।

क्वालीफायर की थकान और देर से पहुंचना भी जीटी के खिलाफ

शुक्रवार को 'दूसरा क्वालीफायर' खेलने की थकान और मुल्लांपुर में खराब मौसम के कारण देरी से हुई रवानगी ने भी शायद उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया था। लेकिन आरसीबी के गेंदबाजों ने इस पिच पर ज्यादातर समय सही लाइन एवं लेंथ पर गेंदबाजी की। आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने शुरू से ही दबदबा बनाते हुए पावरप्ले में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (10) और साई सुदर्शन (12) के विकेट झटक लिए। गुजरात टाइटन्स को अपनी सलामी जोड़ी से अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी जिससे टीम इन झटकों से उबर नहीं सकी।

जीटी को जोश हेजलवुड ने दबाव में रखा

हालांकि टीम शुरू से ही धीमी शुरुआत करती रही है जो कोई नई बात नहीं थी। लेकिन हेजलवुड (37 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर गिल ने जोरदार शॉट खेला और गेंद उनके बल्ले का किनारा चूमते हुए आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार के हाथों में चली गई। सुदर्शन एक बार डीआरएस की मदद से जैकब डफी की गेंद पर कैच आउट होने से बच गए थे लेकिन वह भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए। भुवनेश्वर (29 रन देकर दो विंट) की एक सटीक, ऊंची और वाइड बाउंसर पर इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने खराब पुल शॉट खेला और विकेटकीपर जितेश शर्मा ने दौड़कर आसान कैच लपक लिया। इस तरह 'पर्पल कैप' की दौड़ में भुवनेश्वर अब कागिसो रबाडा (28 विकेट) के साथ बराबरी पर आ गए हैं।

गिल और सुदर्शन के आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गई। गिल और सुदर्शन ने इस सत्र में 700 से ज्यादा रन बनाए थे। इन दोनों के आउट होने के बाद गुजरात टाइटंस की की बल्लेबाजी पूरी तरह से लड़खड़ा गई। उनका पावर प्ले में स्कोर दो विकेट पर 45 रन रन था। बाकी बल्लेबाजों में पारी को संभालने का जोश और धैर्य नहीं दिखा। जोस बटलर (19) और वाशिंगटन पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रक्षात्मक खेलने से जूझते नजर आए। युवा तेज गेंदबाज रसिक सलाम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने निशांत सिंधु (18 गेंद में 20 रन) और राहुल तेवतिया के विकेट लिए। घरेलू टीम ने 100 रन के आंकड़े तक पहुंचने से पहले ही मुख्य बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। गुजरात टाइटंस को अपनी पारी का पहला छक्का लगाने के लिए 13वें ओवर तक इंतजार करना पड़ा जो कृणाल की गेंद पर अरशद खान (15 रन) मिड-विकेट के ऊपर से लगाया था। आरसीबी के गेंदबाजों के दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि घरेलू टीम की पारी में (अरशद के दो और राशिद खान के एक छक्के से) केवल तीन छक्के शामिल थे।

(पेज 8 का शेष समाचार)

एआईसीसी वॉर रूम ने एसआईआर विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का किया सफल आयोजन

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान एवं प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक कार्यकर्ता को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने कांग्रेस पार्टी, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प के साथ उत्साहपूर्वक कांग्रेस के पक्ष में नारे लगाए। इसके पश्चात सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्रगान जन गण मन का सामूहिक गायन कर कार्यक्रम का समापन किया।

जीवन का आधार

कविः मनीष कुमार श्रीवास्तव
(मास्टर टीचर हिंदी)

पिता से परिवार है, जिंदगी शानदार है।
पिता घर आ जायँ तो पूरा इंतजार है।
आने की बाट तकें खुशियों की राह तकें,
पिता बड़ा संबल हैं अपनी औलाद का,
संग पिता साथ तो, कहीं ना तिरस्कार है।
जो चाहे मांग लें, सपने अपने साज लें।
पिता से ही ताकत, पिता से अधिकार है।
दुनियाँ में कोई गम, हमको ना रुला सके,
पिता का हाँथ कंधे पर. बड़ा उपहार है।
अपना जमाना सदा साथ ना निभा सके,
पिता नहीं तो जीवन में, चहुंओर अंधकार है।
पिता है तो अपने हैं, ढेर सारे सपने हैं। पिता हैं तो प्यार है।
जीवन का आधार है ।

पी एम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिली सिलवासा।

चोरवाड़ की बेटी काजल वाजा ने एशियाई मंच पर लहराया तिरंगा, भारत को दिलाया रजत पदक

■ एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4७100 मीटर रिले में भारत ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड ■ साधारण किसान परिवार की 19 वर्षीय स्प्रिंटर बनी गुजरात का गौरव

अहमदाबाद (ईएमएस)। होंगकॉन्ग में आयोजित 22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुजरात की उभरती हुई स्प्रिंटर काजल वाजा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और अथक मेहनत के बल पर साधारण परिवारों से आने वाली प्रतिभाएं भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता का परचम लहरा सकती हैं। जूनागढ़ जिले के चोरवाड़ गांव की 19 वर्षीय काजल वाजा ने रविवार को महिलाओं की 4७100 मीटर रिले स्पर्धा में भारत को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तमिलनाडु की भावना, हरियाणा की आरती और उत्तर प्रदेश की निपम के साथ भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए काजल ने टीम को 45.05 सेकंड का समय दर्ज कराने में योगदान दिया। भारतीय टीम ने इस शानदार प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीतने के अलावा अंडर-20 वर्ग में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी स्थापित किया। टीम ने 45.08 सेकंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ते हुए अपनी गति, टीमवर्क और बेहतरीन बैटन एक्सचेंज का प्रदर्शन किया। संघर्षों के बीच गढ़ी सफलता की कहानी काजल की उपलब्धि उसकी साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि को देखते हुए और भी प्रेरणादायक बन जाती है। उसके पिता हीराबाई वाजा जूनागढ़ जिले के समुद्री तटीय गांव चोरवाड़ के एक साधारण किसान एवं खेत मजदूर हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद काजल ने अपने खेल करियर पर पूरा ध्यान केंद्रित रखा और अपने सपनों को साकार करने के लिए कई त्याग किए। ट्रैक पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए काजल ने 12वीं कक्षा में एक वर्ष का ड्रॉप लेकर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया था। उसकी इसी मेहनत और समर्पण का परिणाम आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहा है। काजल के पारिवारिक परिचित मंथन डाभी बताते हैं, ''काजल को स्कूल के दिनों से ही खेलों के प्रति विशेष लगाव था और वह लगातार विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रही है। कोच ने बताया देश की सबसे होनहार स्प्रिंटर्स में से एक काजल के कोच शिवम उपाध्याय उसकी सफलता का श्रेय उसकी निरंतर मेहनत और उत्कृष्टता हासिल करने की तीव्र इच्छा को देते हैं। उन्होंने कहा, ''काजल देश की सबसे आशाजनक युवा स्प्रिंटर्स में से एक है। उसने 100 मीटर, 200 मीटर और रिले स्पर्धाओं में कई पदक जीतकर गुजरात का नाम रोशन किया है। उसका अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धी मानसिकता उसे अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। वह हर प्रशिक्षण सत्र में पूर्ण समर्पण के साथ भाग लेती है और लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करने का प्रयास करती है। पहले भी जीत चुकी हैं कई बड़े पदक होंगकॉन्ग में जीता गया यह रजत पदक काजल की उपलब्धियों की सूची में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पहले वर्ष 2025 में रांची में आयोजित दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 4७100 मीटर रिले स्पर्धा में भी उन्होंने रजत पदक जीता था। इसके अलावा 60 मीटर स्पर्धा में अंडर-20 वर्ग का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। इसी वर्ष मार्च में भुवनेश्वर में आयोजित प्रथम इंडोर ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में काजल ने 7.50 सेकंड का समय दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक जीता था और नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था। इस उपलब्धि ने उन्हें भारत की सबसे प्रतिभाशाली युवा स्प्रिंटर्स में शामिल कर दिया है। काजल की खेल यात्रा की शुरुआत स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात (एसएजी) के स्कूल कार्यक्रम से हुई थी। वर्ष 2019 में वह कोडीनार स्थित जिला स्तरीय स्पोर्ट्स स्कूल (डीएलएसएस) से जुड़ीं, जहां उनकी प्रतिभा को व्यवस्थित रूप से निखारा गया। उनकी क्षमता को पहचानते हुए वर्ष 2023 में उनका चयन नडियाद स्थित हाई-परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) के लिए किया गया, जहां वह वर्तमान में उन्नत प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्राप्त कर रही हैं। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने काजल और भारतीय रिले टीम को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार खिलाड़ियों को उनके वैश्विक सपनों को साकार करने के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने काजल की सफलता को गुजरात और पूरे देश के लिए गौरव का क्षण बताया। इसी चैंपियनशिप में गुजरात के वापी निवासी राहुल जाखड़ ने डेकाथलॉन स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और देश का गौरव बढ़ाया।

उत्तर भारतीय सेवा संघ के पदाधिकारियों ने दमण में नवनिर्मित

आधुनिक हवाई अड्डे के उद्घाटन से पूर्व भ्रमण करके सरकार के प्रति प्रकट किया कृतज्ञता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 मई। उत्तर भारतीय सेवा संघ दमण के पदाधिकारियों ने आज दमण में नवनिर्मित आधुनिक हवाई अड्डे के उद्घाटन से पूर्व भ्रमण करके सरकार के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट किया और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी और संघ प्रदेश प्रशासक प्रफुल पटेल का धन्यवाद व्यक्त किया। इस हवाई अड्डे के शुरू होने से दमण देश के सभी शहरों से जुड़ जाएगा। दमण से दिल्ली या मुंबई होकर वाराणसी, पटना, गोरखपुर, प्रयागराज, रांची, कोलकाता, जयपुर, जोधपुर इत्यादि जाना आसान हो जाएगा। इस भ्रमण के अवसर पर उत्तर भारतीय सेवा संघ दमण के अध्यक्ष कृपाशंकर राय, उपाध्यक्ष शिवाजी तिवारी, महेंद्र दुबे, राजूभाई, शांतिभूषण मिश्रा, अमर यादव, सुनील उपाध्याय, अतुल त्रिपाठी, विजय शाह और संस्था के कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

(पेज 8 का शेष समाचार)

Bharat Express
Diu To Daman - Silvassa
Baroda -Bharuch -Ankleshwar -Surat.
Navsari -Chikhli -Valsad -KillaPardi
Vapi -Bhilad -Mumbai -Ahmedabad
Office
02875
225990
Mo.9426989796
Mo.9104980990

सेव ह्यूमन लाइफ ने सिलवासा रेडक्रॉस सोसायटी एवं वलसाड रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का किया आयोजन

योगी हॉस्पिटल के सामने स्थित प्रमुख गार्डन क्लब हाउस में सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में कुल 252 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में रक्तदाताओं, महिलाओं, युवाओं, व्यापारी वर्ग, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा के इस अभियान को सफल बनाया। रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए यह संग्रहण महत्वपूर्ण साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान सिलवासा के मामलतदार सागर ठक्कर स्वयं रक्तदान शिविर में पहुंचे और रक्तदान कर लोगों के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समाज में आज भी रक्तदान को लेकर कई तरह की भ्रांतियां और मिथक मौजूद हैं, जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित है। इससे शरीर में नए रक्त के निर्माण की प्रक्रिया भी तेज होती है। मामलतदार सागर ठक्कर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मानव सेवा के इस महाअभियान में अधिक से अधिक लोगों को जुड़ना चाहिए। उनका कहना था कि आपका दिया हुआ एक यूनिट रक्त किसी अजनबी के लिए पूरी जिंदगी बन सकता है। रक्तदान केवल एक दान नहीं, बल्कि किसी धड़कते दिल को जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने और लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर को समाज के विभिन्न वर्गों का व्यापक समर्थन मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। सेव ह्यूमन लाइफ के अध्यक्ष विशाल पटेल ने सभी रक्तदाताओं, महिलाओं, युवाओं, व्यापारी वर्ग, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवकों तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में जब रक्त की कमी महसूस की जा रही है, ऐसे समय में लोगों का आगे आकर रक्तदान करना मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि शिविर में एकत्रित 252 यूनिट रक्त अनेक जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी सहायता सिद्ध होगा। विशाल पटेल ने विशेष रूप से व्यापारी वर्ग, विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं का धन्यवाद किया, जिन्होंने लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित कर इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वलसाड रेडक्रॉस सोसायटी का भी विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था को उनके निरंतर सहयोग का लाभ मिलता रहा है और इस शिविर के माध्यम से रक्त की उपलब्धता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।

CHANGE OF NAME

OLD NAME - NISHI PRAMOD RANA **NEW NAME - NISHI PRAMODBHAI RANA** FATHER OLD NAME - PRAMOD MOHANLAL RANA, **FATHER NEW NAME - PRAMODBHAI MOHANLAL RANA** MOTHER OLD NAME - NEELA PRAMAD RANA **MOTHER NEW - NAME NEELABEN PRAMODBHAI RANA** OLD ADDRESS :- HOUSE NO.167 -7, OPP. FISH MARKET, LUHAR FALIA, MOTI DAMAN, DAMAN-396220 **NEW ADDRESS :-** H.NO.7/267, LUHAR FALIA, MOTI DAMAN, DAMAN-396220

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SABINA KHAN / SABINA FAIZULLAH KHAN **TO SABINA FAIZAN CHITAPURE AS** PER DOCUMENT **ADDRESS :-** H.NO. A-201, ROSHAN AVENUE,NEAR MASJID,SILVASSA-396230

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM FAIZAN MOHD YUNUS CHITAPURE **TO FAIZAN CHITAPURE** AS PER DOCUMENT **ADDRESS :-** H.NO. A-201, ROSHAN AVENUE,NEAR MASJID,SILVASSA-396230

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME NEELAMBEN JAGDISHKUMAR ROHIT TO **NEW NAME NEELAM JAGDISHKUMAR ROHIT** AS PER DOCUMENTS

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केन्द्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की 7 यादगार यात्राएं असली आज़ादी की नजर से...

असली आज़ादी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव में 2580 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

दादरा नगर हवेली, दमण और दीव हमारा गौरव है, हमारी विरासत है: पीएम मोदी

मोदीजी आप हमारे भगवान

MARCH 2025

असली आज़ादी

पीएम मोदी ने सिलवासा में 4900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास और लोकार्पण

देश का दुर्भाग्य रहा है कि अनेक दशकों तक विकास को राजनीति की वोटबैंक के तराजू पर ही तौला गया: पीएम मोदी

APRIL 2023

दमण में पीएम मोदी का भव्य रोड शो : मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा दमण

असली आज़ादी

पीएम मोदी का दमण पहुंचने पर हजारों लोगों ने किया जोरदार स्वागत

NOVEMBER 2022

असली आज़ादी दैनिक

दमण-दीव-दादरा नगर हवेली को आजादी के बाद मिला अपना मेडिकल कॉलेज

पीएम मोदी ने मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास कर संघ प्रदेशवासियों को दी ऐतिहासिक सौगात

पीएम मोदी ने 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

JANUARY 2019

असली आज़ादी दैनिक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यू दमण-दीव में एक हजार करोड के प्रोजेक्टों को कराया शुरू

देश के कोने-कोने से दमण में बसे हैं लोग, दिखती है मिनी इंडिया की झलक : पीएम मोदी

FEBRUARY 2018

कविवर्या फाल्गुनी पटेल ने स्वरचित पुस्तक पीएम मोदी को की भेंट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा में दादरा नगर हवेली के पूर्व सांसद मोहन डेलकर हुए शामिल

असली आज़ादी दैनिक

हमारा दीव बने दिव्य मंत्र के साथ 2022 में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करने का संकल्प ले सकते है : नरेन्द्र मोदी

MARCH 2017

असली आज़ादी दैनिक

छोटे से संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली में 1,50,000 लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का किया अभिवादन

सिलवासा और दमण मिनी इंडिया है और इसका विकास सरकार का मुख्य लक्ष्य : नरेन्द्र मोदी

APRIL 2017

सिलवासा पहुंचते ही हेलीपैड पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रशासक प्रफुल पटेल ने पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत

असली आज़ादी

जनसभा में उमड़ा जनसैलाब : एक हजार करोड की परियोजनाओं का प्रारंभ....बना ऐतिहासिक दिन

FEBRUARY 2018

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व माता-पिता दिवस

ललित गर्ग

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्ण एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्ण- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

संपादकीय

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है। हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है। भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूजीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना गलत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

जहरीली शराब का जहर: मौत का कारोबार कब रुकेगा?

कांतिलाल मांडोत

हर साल छिनती हैं सैकड़ों जिंदगियां, अब अवैध शराब के पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी...

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?*

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

यदि देश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का इतिहास देखा जाए तो सबसे अधिक चर्चा बिहार की होती है। बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना था, लेकिन इसके बाद अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब से होने वाली मौतों की कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। वर्ष 2016 में गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से लगभग 19 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब ने करीब 16 लोगों की जान ले ली। वर्ष 2022 बिहार के लिए सबसे भयावह साबित हुआ। मार्च 2022 में भागलपुर जिले में जहरीली शराब से 40 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। इसी वर्ष दिसंबर में सारण जिले में हुई त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया, जहां 70 से अधिक लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में भी मोतिहारी और सीवान सहित कई क्षेत्रों में जहरीली शराब से अनेक लोगों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2024 और 2025 में भी छिटपुट घटनाएं सामने आती रहीं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हालांकि यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी समय-समय पर ऐसी घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2022 में गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से 40 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर हुई एक घटना में लगभग 100 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब का कारोबार पूरे देश के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बड़ी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, छापेमारी होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कठोर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इसका कारण यह है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया जाता है। अवैध शराब का नेटवर्क गांवों, कस्बों और शहरों तक फैला हुआ है। इसमें शराब बनाने वाले, आपूर्ति करने वाले, बेचने वाले और कई बार संरक्षण देने वाले लोग भी शामिल होते हैं। जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

सरकारों को यह समझना होगा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। पुलिस, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। जहां अवैध शराब बनने या बिकने की आशंका हो, वहां नियमित निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही दोषियों को त्वरित और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि दूसरों के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश बने।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि कुछ रुपये बचाने के लिए खरीदी गई अवैध शराब उनकी जान ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू नशामुक्ति का है। शराब की लत केवल कानून से समाप्त नहीं होती। इसके लिए परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यदि सरकारें नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करें और लोगों को उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराएं तो शराब पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे अवैध शराब की मांग भी घटेगी।

महाराष्ट्र की ताजा घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जहरीली शराब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए यह केवल एक समाचार नहीं बल्कि जीवन भर का दुख है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

जहरीली शराब वास्तव में जानलेवा है। यह धीरे-धीरे नहीं, बल्कि कई बार कुछ घंटों में ही जीवन समाप्त कर देती है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र की घटना से सबक लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यापक रणनीति बनानी चाहिए जो अवैध शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा सके। जब तक अपराधियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा और समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। अब समय आ गया है कि इस मौत के कारोबार पर स्थायी और निर्णायक प्रहार किया जाए, ताकि किसी परिवार का चिराग जहरीली शराब की भेंट न चढ़े।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर, मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे, कभी भी स्थिर नही रहे। जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल त्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।'

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।'

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''

शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी

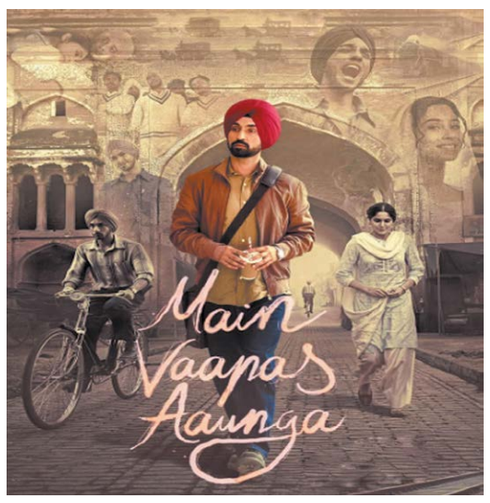

के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

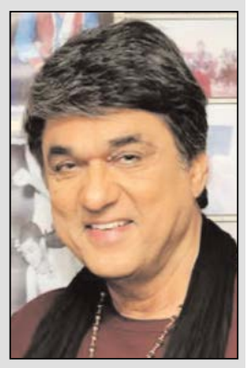

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती हैं, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस: सिलवासा में कैंसर जागरूकता वॉकथॉन और साइक्लोथॉन का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 31 मई। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर कृष्णा कैंसर एड एसोसिएशन सिलवासा द्वारा सिलवासा स्टेडियम ग्राउंड में एक कैंसर जागरूकता वॉकथॉन और साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तंबाकू के सेवन के हानिकारक प्रभावों और कैंसर तथा अन्य जानलेवा बीमारियों से इसके सीधे संबंध के बारे में जागरूकता फैलाना था।कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6:30 बजे मुख्य अतिथि अर्पित कुमार उप-समाहर्ता दानह और प्रशासन द्वारा औपचारिक रूप से झंडी दिखाकर की गई। सिलवासा नगरपालिका काउंसिलर रजनी शेट्टी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

सिलवासा के लगभग 350 नागरिकों ने वॉकथॉन और साइक्लोथॉन में उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक तंबाकू-मुक्त तथा स्वस्थ समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। Ami Polymer, Growel, Apar Industries, Filatex और कई अन्य सहित कई उद्योगों ने इस जागरूकता अभियान को अपना समर्थन दिया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, आयोजकों ने इस बात पर जोर दिया कि तंबाकू का सेवन उन प्रमुख कारणों में से एक बना हुआ है जिनसे होने वाले कैंसर को रोका जा सकता है। ऐसे जागरूकता अभियानों के माध्यम से KCA का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के उपयोग के खतरों के बारे में शिक्षित करना और बेहतर स्वास्थ्य के लिए निवारक उपायों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस कार्यक्रम का सफल समन्वय कृष्णा कैंसर एड एसोसिएशन की समर्पित टीम द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व स्वरूपा शाह, मीना तंवर और उनके स्वयंसेवकों की टीम ने किया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कृष्णा कैंसर एड एसोसिएशन नियमित रूप से जागरूकता अभियान और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करता है ताकि जनता को कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार के बारे में शिक्षित किया जा सके।

यह संगठन लगातार इस संदेश को बढ़ावा दे रहा है कि कैंसर को अक्सर रोका जा सकता है और, जब शुरुआती चरण में इसका पता चल जाता है, तो समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप के साथ इसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों द्वारा एक नए संकल्प के साथ हुआ कि वे तंबाकू उत्पादों से दूर रहेंगे और अपने परिवारों, कार्यस्थलों तथा समुदायों में तंबाकू-मुक्त जीवन शैली के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएंगे।

दमण में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

- फिटनेस, ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 मई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में फिटनेस, स्वास्थ्य जागरूकता तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं। इसी क्रम में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में खेल एवं फिटनेस गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी दिशा में खेल एवं युवा मामले विभाग दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव द्वारा संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा मामले विभाग के निदेशक अरुण गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ लाइट हाउस बीच, मोटी दमण से किया गया। इस अवसर पर स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी, खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। प्रतिभागियों ने फिटनेस एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए पूरे उत्साह के साथ साइकिलिंग गतिविधि में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों के बीच स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, साइकिलिंग संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करना था। इसके साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से साइकिल अपनाएं ईंधन बचाएं का संदेश देकर ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

दमण कलेक्ट्रेट में मनाया गया गोवा राज्य का स्थापना दिवस

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 मई। संघ प्रदेश दादरा हवेली हवेली और दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत 30 मई 2026 को दमण कलेक्ट्रेट में गोवा राज्य का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर गोवा क्षेत्र से संबंध रखने वाले और दमण जिले में निवास कर रहे गणमान्य व्यक्तियों को दमण कलेक्टर सिद्धांत राजोरा द्वारा सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए कलेक्टर सिद्धांत राजोरा ने कहा कि भारत को अपने समृद्ध इतिहास, संस्कृति और विरासत पर गर्व है। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच आपसी मेलजोल को बढ़ाना और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे अवसरों को मनाने से भाषा सीखने, संस्कृति, परंपरा, संगीत, पर्यटन, खान-पान, खेल और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने जैसे क्षेत्रों में निरंतर और सुव्यवस्थित सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

पीएम मोदी के स्वागत और स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से

डाभेल तालाब परिसर में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 मई। डाभेल ग्राम पंचायत द्वारा 31/05/2026 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वागत एवं स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से डाभेल तालाब परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में डाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच हेमाक्षी कनू पटेल के नेतृत्व में पंचायत के सदस्यगण, ग्रामवासी तथा अन्य गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के दौरान तालाब परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की गई तथा उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

सेव ह्यूमन लाइफ ने सिलवासा रेडक्रॉस सोसायटी एवं वलसाड रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का किया आयोजन

■रक्तदान शिविर में 252 यूनिट रक्त एकत्रित, महिलाओं, युवाओं, व्यापारियों और सामाजिक संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर निभाई भागीदारी ■ रक्तदान केवल दान नहीं, किसी को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम: मामलतदार सागर ठक्कर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 31 मई। भीषण गर्मी के दौरान रक्त की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए सेव ह्यूमन लाइफ, सिलवासा रेडक्रॉस सोसायटी एवं वलसाड रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त सहयोग से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

(समाचार का शेष पेज 2 पर)

एआईसीसी वॉर रूम ने एसआईआर विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का किया सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 31 मई। दादरा नगर हवेली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) वॉर रूम टीम द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन यात्री निवास होटल, सिलवासा में किया गया। यहां कार्यक्रम एआईसीसी प्रभारी इंचार्ज माणिकराव ठाकरे और सह प्रभारी इंचार्ज डॉ. अंजलि निम्बालकर के मार्गदर्शन और दिशानिर्देश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रभु टोकिया के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा मतदाता सूची में पारदर्शिता एवं लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण सत्र में AICC वॉर रूम के प्रदेश प्रभारी लोकेंद्र तिवारी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक सौरस बाजपेयी एवं गौतम शर्मा द्वारा किया गया। प्रशिक्षकों ने SIR (Special Intensive Revision) की प्रक्रिया, बूथ लेवल एजेंट (BLA) की भूमिका, मतदाता सूची सत्यापन, फॉर्म-6, 7 एवं 8 की जानकारी, घर-घर संपर्क अभियान तथा मतदाता अधिकारों की रक्षा के संबंध में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए संगठित रूप से कार्य करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान निम्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया, BLA-1 एवं BLA-2 की भूमिका और जिम्मेदारियां, घर-घर संपर्क अभियान एवं मतदाता सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण (Form-6)। नाम विलोपन (Form-7) एवं संशोधन (Form-8) की प्रक्रिया, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति, मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सतर्क निगरानी, लोकतंत्र एवं मताधिकार की रक्षा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भूमिका। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी महेश धोडी, केतन पटेल, हरुण सुमरा, सादिक शेख, अमोल मेश्राम, नौशाद शेख, नानासाहेब शिंदे, सुरेश रडिया, विभिन्न सरपंच, जिला सदस्य, कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, बूथ लेवल एजेंट तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

(समाचार का शेष पेज 2 पर)

TORRENT POWER | DNHDD

मानसून में बिजली सुरक्षा सूचना

- बिजली के मुख्य सप्लाय पॉइंट पर हमेशा ELCB या RCB का अवश्य उपयोग करें।
- अपने आप को और पालतू जानवरों को घर/गाला/कारखाने के ऊपर से गुजरने वाली लाइनों, खंभों और केबलों से दूर रखें।
- ट्रांसफॉर्मर और उसके आसपास के बिजली के उपकरण, (FSP/MSP) इलेक्ट्रिक खंभे, इलेक्ट्रिक वायर आदि के पास न जाएं और उन्हें गीले हाथों से न छुएं।
- बिजली के खंभों से कोई दूसरा वायर और रस्सी न बांधें तथा उन पर गीले कपड़े न सुखाएं।
- बिजली वितरण उपकरण के पास ओवरहेड लाइनों के नीचे पशुओं को न चराए।
- पशुओं को किसी भी विद्युत वितरण उपकरण/फेंसिंग/खंभे से न बांधें।
- बिजली के उपकरणों को न छुएं। उसको छूकर खड़े न हों और न ही बैठें।
- बिजली के उपकरणों पर विज्ञापन पोस्टर न लगाएं।
- अगर डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के पास पानी भरा हुआ है तो वहां न जाए।
- घर/इंडस्ट्री के वायरिंग के पावर लीकेज होने की स्थिति में नीचे दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत सूचना दें।
- किसी भी घटना के मामले में - जैसे कि कटे हुए तार/टूटा हुआ पोल/ शॉर्ट सर्किट /ओवरहेड लाइन पर पेड़ गिरने की स्थिति में, कृपया नीचे दिए गए नंबरों पर हमें तुरंत सूचित करें।
- अगर कंडक्टर टूट गया है तो उसे छूने की कोशिश न करें। वह क्षेत्र को बैरिकेड करें और नीचे दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत सूचना दें।

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

ऊपर बताए गए / हेल्पलाइन नंबर के अलावा, बारिश के मौसम के दौरान कंपनी ने आपके लिए नीचे दिए गए क्षेत्र के अनुसार हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराए हैं। जिसके ऊपर आप बिजली आपूर्ति के संबंध में काम के घंटो के दौरान शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
दादरा और नगर हवेली : (१) आमली सब स्टेशन : ६३५७५५६६११, (२) दादरा सब स्टेशन : ६३५७५५६६१५, (३) अथल सब स्टेशन : ६३५७५५६६१६, (४) किलवानी शिकायत केंद्र : ६३५७५५६६२०, (५) खानवेल सब स्टेशन : ६३५७५५६६२२, (६) खडोली सब-स्टेशन : ६३५७५५६६२६ (७) दूधनी शिकायत केंद्र : ६३५७५५६६३६ (८) वेलुगाम सब-स्टेशन : ६३५७५५६६३० (९) मंदोनी सब-स्टेशन : ६३५७५५६६३३
दमण : (१) कचीगाम : ७०४६०४९४३३, (२) मोटी दमण : ७०४६०४९४३८ (३) सोमनाथ : ७०४६०४९४३६, (४) डाभेल : ७०४६०४९४४०, (५) दलवाडा : ७०४६०४९४३७, (६) भीमपोर : ७०४६०४९४३५, (७) वरकुंड/भेंसलोर : ७०४६०४९४३४, (८) नानी दमण : ७०४६०४९४४६

दमण नगरपालिका के वार्ड नंबर 15 में एसआईआर से संबंधित आयोजित हुआ जनजागृति कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 मई। दमण नगरपालिका के वार्ड नंबर 15 में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) के बारे में लोगों में अवेयरनेस फैलाने के मकसद से एक जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रोग्राम वार्ड काउंसलर फिरदोस बानो द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में दमण नगरपालिका अध्यक्षा दीपिका टंडेल की विशेष मौजूदगी रही। इसके अलावा मिटना समाज के प्रमुख विष्णुभाई नरसाइम और उपप्रमुख उत्तम गुरुभाई भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान लोगों को वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) प्रोसेस, वोटर रजिस्ट्रेशन से जुड़ी ज़रूरी बातें और दूसरी ऐबातों के बारे में जानकारी और मार्गदर्शन दिया गया। उपस्थित महानुभावों ने लोगों से लोकशाही प्रकिया में एक्टिव पार्टनर बनने और रक्फ़ प्रोसेस में को-ऑपरेट करने की अपील की। प्रोग्राम में बड़ी संख्या में वार्ड के लोकल लोगों ने हिस्सा लिया और अवेयरनेस कैंपेन को अच्छा रिस्पॉन्स दिया। प्रोग्राम का मुख्य मकसद लोगों को वोटर लिस्ट से जुड़े प्रोसेस और एसआईआर के बारे में बताकर ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक जागरूकता फैलाना था।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)